



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 216]
No. 216]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 5, 1984/वैशाख 15, 1906
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 5, 1984/VAISAKHA 15, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मई, 1984

सा० का० नि० 361(अ) :—केन्द्रीय सरकार भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) अधिनियम, 1981 का 42) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) नियम, 1982 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन (विनियमन) (संशोधन) नियम 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) नियम, 1982 में (क) नियम 5 के उपनियम

(1) के खंड (भ) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“(म) जहां मत्स्यन अनुज्ञप्ति द्वारा जिसके अन्तर्गत भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) (संशोधन) नियम 1984 के प्रवृत्त होने से पहले जारी की गई अनुज्ञप्तियां भी हैं प्राधिकृत हैं वहां जलयान का कर्मीदल राज्य क्षेत्रीय सागर खंड से आगे या चालीस फीट से अधिक गहराई के खुले समुद्र में इनमें से जो भी तट से अधिक दूर हो, मत्स्यन करेगा।”;

(ख) नियम 8 के उपनियम (1) के खंड (त) के पश्चात निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्—

“(घ) चार्टरकर्ता जिसके अंतर्गत वे भी हैं जिनके पास भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) (संशोधन) नियम 1984 के प्रवृत्त होने से पहले जारी किया गया अनुज्ञापत्र है, राज्य क्षेत्रीय सागर खंड से आगे या चालीस फीट से अधिक

गहराई के खुले समुद्र में इनमें से जो भी तट से अधिक दूर हो मत्स्थान करेगा।”

पाद टिप्पण—मूल नियम भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खंड 3(ii) में सांकांनि० 619(अ) तारीख 26 अगस्त 1982 के अधीन अधिसूचित किए गए।

[सं० 30035/71/82-मत्स्य (तक-I) भाग]

एस. पी. जाखनवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th May, 1984

G.S.R. 361(E).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Act, 1981 (42 of 1981), the Central Government hereby makes the following rules to amend Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Rules, 1982, namely :

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) (Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Rules, 1982(a) in rule 5, in sub-rule (1) after clause (x) the following clause shall be inserted, namely :—

“(y)” Where the fishing is authorised by the licence including the licences issued prior to the enforcement of the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) (Amendment) Rule, 1984, the crew of the vessel shall fish beyond territorial waters or in the high seas of depth more than forty fathoms, whichever is farther from the shore”;

(b) In rule 8, in sub-rule (1) after clause (p), the following clause shall be inserted namely :—

“(q)” the charterer including those who hold permit issued prior to the enforcement of the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) (Amendment) Rules, 1984, shall fish beyond territorial waters or in the High seas of depth more than forty fathoms whichever is farther from the shore.”

Foot Note:—Principal rules notified under GSR 619(E) dated 26th August, 1982 of the Gazette of India : Extraordinary Part II Section 3(ii).

[No. 30035/71/82-FY-(T-I)-Part]

S. P. JAKHANWAL, Jt. Secy.